कक्षा –11

विषय–ग्रन्थ शिल्प

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

सत्र 2026–27

क्र0सं0	माह	इकाई	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	एक	अप्रैल से शिक्षण कार्य प्रारम्भ होगा । 1. कागज बनाने का इतिहास, निर्माण (कुटीर उद्योग पद्धति), कच्चे समान के उद्गम एवं उनके बाजार, कच्चे माल से लुग्दी बनाते समय गन्दगी एवं प्रदूषणों से होने वाले प्रभाव व उनके बचाव के उपाय। भारत में मशीन द्वारा कागज बनाने के विभिन्न केन्द्र । कागज एवं दफ्ती की आधुनिक माप प्रणाली। जैसेः– ए शून्य, पवन आदि का परिचय।
2	मई	एक	2. टाइप के विभिन्न अंग, टाइप के विभिन्न नाप, टाइप केस तथा उसकी व्यवस्था, टाइप का विवरण, प्रूफ सुधारना तथा उनके संकेत ।
3	जून		ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	दो	1. प्रयोग में आने वाली सामग्री कागज (सादा एवं डिजाइनदार दफ्ती, जिल्दबन्दी का कपड़ा (सादा एवं डिजाइनदार), फीता आईलेट, प्रेस बटन आदि। नाप, उनकी वजन, रंगों आदि सहित उनका सही विवरण एवं उनके संग्रह की विधियों। **प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)**
5	अगस्त	दो	1. लेई, सरेस एवं गोद चिपकाने के आधुनिक पदार्थ । 2. लेई, सरेस आदि तैयार करना एवं उनसे उत्पन्न होने मले दुर्गन्ध से बचाव । **द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)**
6	सितम्बर	तीन	1. यंत्र संरक्षण तथा उनके उचित प्रयोग एवं रख–रखाव । (क) फोल्डर, कैंची, चाकू, पटरी, बैकिंग हैमर काटने की आरी, पंच, आई लेट लगाने का यंत्र, बटन लगान के यंत्र आदि।
7	अक्टूबर	तीन	1. (ख) दफ्ती काटने का यंत्र, निपिंग, प्रेस, स्टैण्डिंग एण्ड लाइन प्रेस । 2.जिल्दसाजी – व्यापारिक विधि एवं लेमिनेशन कार्य । **अर्द्धवार्षिक परीक्षा (लगभग 60 प्रतिशत पाठ्यक्रम के आधार पर)**
8	नवम्बर	चार	1. प्रयोगार्थ सामग्री विभिन्न प्रकार के लिखने तथा आवरण पृष्ठ के कागज । 2. लेटर प्रेस, लोथो, आफसेट व स्क्रीन प्रिंटिंग की छपाई। **तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)**
9	दिसम्बर	पाँच	1. निगेटिव बनाने की विधियाँ, धातु की प्लेट पर मुद्रण सतह बनाना। कैमरे का सिद्धान्त, हाफटोन एवं तिरंगी छपाई का सिद्धान्त । 2. ब्लाक बनाने रसायनिक पदार्थों के प्रयोग करते समय होने वाले प्रदूषण का निवारण। **चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)**
10	जनवरी		पढ़ाए गये पाठों की पुनरावृत्ति । गृह परीक्षा का आयोजन ।
11	फरवरी		वर्षिक परीक्षा का आयोजन।
12	मार्च		बोर्ड परीक्षा के बाद गृह परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं परीक्षाफल तैयार करना । छात्रों को परीक्षाफल वितरित करना । आगामी सत्र के प्रवेश कार्य हेतु तैयारी करना।